असम के सुरसजाई स्टेडियम में 11 हजार से ज्यादा कलाकारों ने एक साथ बिहू नृत्य का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इसके लिए लंबे समय से तैयारी चल रही थी। बिहू परफॉर्मेंस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े होकर ताली बजाते रहे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। यह रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

असम में 11 हजार से अधिक कलाकारों ने बिहू डांस करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

प्रधानमंत्री मोदी के सामने हजारों की संख्या में कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं, यह रिकॉर्ड गिनिज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है

गुवाहाटी, 14 अप्रैल। असम दौरे पर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने डिब्रूगढ़ के सुरसजाई स्टेडियम में बिहू नृत्य का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी असम सी.एम. हिमंता बिस्वा सरमा के साथ नृत्य को एंजॉय करते दिखे। पूरी परफॉर्मेंस के दौरान पी.एम. मोदी खड़े होकर ताली बजाते रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के सामने 11 हजार से ज्यादा कलाकारों ने एक साथ बिहू नृत्य का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इसके लिए लंबे समय से तैयारी चल रही थी। बिहू परफॉर्मेंस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े होकर ताली बजाते रहे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। यह रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में 500 टी.पी.डी. मेथनॉल संयंत्र के साथ 500 टी.पी.डी. मेथनॉल संयंत्र के साथ कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान पी.एम. मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत असमिया भाषा में लोगों का अभिवादन कर की। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम अविश्वसनीय, अद्भुत है। इस कार्यक्रम को कोई कभी नहीं भूल सकता है। पी.एम. ने इस दौरान बीहू में वर्ल्ड रिकॉर्ड को लेकर बीहू कलाकारों के जोश की तारीफ की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे याद है कि जब मैं विधानसभा चुनाव के दौरान यहां आया था तब मैंने कहा था कि वो दिन दूर नहीं जब लोग "ए" से असम बोलेंगे। आज वाक्य असम "ए-1" प्रदेश बन रहा है। प्रधानमंत्री ने मेथेनाल संयंत्र की शुरुआत को लेकर कहा कि मेथनॉल संयंत्र बनने से असम अब पड़ोसी देशों को मेथनॉल निर्यात कर पाएगा।

असम में विकास प्रोजेक्ट की बात करते हुए पी.एम. मोदी ने कहा, हमारी सरकार का प्रयास है कि आपके रास्ते में आने वाली हर अड़चन को जल्द-जल्द से दूर करने का प्रयास किया जाए। आज यहां जिन परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है ये भी इसी का उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा- भारत की विशेषता यही है कि हमारी संस्कृति, हमारी परंपराएं हजारों-हजार वर्षों से हर भारतवासी को जोड़ती आई हैं। हमने मिलकर, गुलामी के लंबे कालखंड के हर हमले का सामना किया।

हमने मिलकर अपनी संस्कृति और सभ्यता पर कड़े से कड़े प्रहार झेले।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर के राज्यों में अपनी सरकार के विकास कार्यों की चर्चा की। पी.एम. ने कहा कि हमारी सरकार पुरानी परियोजनाओं को पूरा करने के साथ नए परियोजनाओं पर काम कर रही है।

'खालिस्तान समर्थक अमृतपाल बीकानेर आ सकता है'

केन्द्रीय ऐजेन्सियों ने बीकानेर रेंज के आई.जी. को अलर्ट भेजा

बीकानेर, 14 अप्रेल (कासं)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की हनुमानगढ़ के बाद शुक्रवार को बीकानेर और चूरू में भी तलाश की गई। बीकानेर एसपी तेजस्विनी गौतम का कहना है कि, अमृतपाल के बीकानेर में छिपे होने की पॉसिबिलिटी है। शुक्रवार को देर शाम समाचार लिखे जाने तक खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को लेकर कोई इनपुट नहीं मिला। हालांकि बीकानेर में कई जगह नाकाबंदी कर गाड़ियों की छानबीन की गई।

दरअसल केन्द्रीय एजेंसियों ने बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश को अलर्ट किया था कि, बीकानेर रेंज में अमृतपाल आ सकता है। इसी आधार पर आईजी ने रेंज के हनुमानगढ़ के कुछ गांवों में दबिश और नाकाबंदी कार्रवाई थी। इसके बाद बीकानेर और चूरू जिले में भी नाकाबंदी कराई गई है।

हालांकि कहीं से कोई पुख्ता जानकारी अमृतपाल के बारे में नहीं मिली है। कुछ सीसीटीवी फुटेज पर भी पुलिस काम कर रही है। पुलिस के पास संदिग्ध व्यक्ति के फुटेज हैं। यह भी बताया जा रहा है कि, बीकानेर में पुलिस के साथ खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं, जो हर जगह अमृतपाल की तलाश की जा रही हैं।

एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि, बीकानेर में कोई बाहरी टीम आकर पड़ताल नहीं कर रही है। दरअसल, बीकानेर भारत-पाकिस्तान का बॉर्डर एरिया है। ऐसे में यहां बॉर्डर से लगे गांवों में छिपने की ज्यादा आशंका रहती है। श्रीकोलायत, बीकानेर शहर के निकटवर्ती गांव, बज्जू, महाजन, अरजनसर, छतरगढ़, खाजूवाला सहित अनेक ऐसे कस्बे हैं। इनके दर्जनों गांवों में आने-जाने का सीधा रास्ता तक नहीं है। ऐसे में कई बार अपराधी इन्हीं एरिया में छिप जाते हैं। जेल से फरार हुए कई बदमाश भी पुलिस को बज्जू इलाके में ही मिले थे। मुख्य कस्बों के बजाय इनके पास के गांवों पर पुलिस की खास नजर हो सकती है। बीकानेर में अमृतपाल की तलाश के पीछे बड़ा कारण यह है कि यहां पहले भी कई अपराधी पकड़े जा चुके हैं। इनमें कुछ यहां रहने के बाद वापस पंजाब लौट गए। कुछ को बीकानेर से ही गिरफ्तार किया गया। 'वारिस पंजाब दे' संगठन का प्रमुख अमृतपाल सिंह करीब 27 दिनों से फरार है। पंजाब पुलिस अभी तक उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है। अमृतपाल के छुपे होने की आशंका में स्टेट बॉर्डर पर पंजाब पुलिस ने नाकाबंदी की। दोनों राज्यों की सीमा पर अमृतपाल और उसके साथियों के फोटो चस्पा किए। संगरिया थाना के संतपुरा गांव के निकट एक ढाणी में पंजाब, हरियाणा और संगरिया पुलिस ने अलसुबह दबिश दी।

- बीकानेर में पुलिस के साथ खुफिया ऐजेन्सियाँ भी सक्रिय हो गई हैं, जो अमृतपाल की तलाश कर रही हैं।
- बीकानेर में अमृतपाल की तलाश के पीछे बड़ा कारण यह है कि, यहां पहले भी कई अपराधी पकड़े जा चुके हैं।
- बीकनेर के अलावा हनुमानगढ़ व चूरू में भी अमृतपाल की तलाश।
- अमृतपाल के संगरिया में संतपुरा की रोही में होने की सूचना के बाद हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर पुलिस सक्रिय हो गई। कयास लगाए गए कि वह गुरूद्वारा में सरेन्डर कर सकता है, पर देर शाम तक अमृतपाल के सरेन्डर की पुष्टि नहीं हो पाई।

संतपुरा स्थित एक ढाणी के समीप अमृतपाल सिंह के छुपे होने के इनपुट के बाद सक्रिय हुए पुलिस दल ने केन्द्रीय जांच एजेंसियों के नेतृत्व में मोर्चा लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि संतपुरा से करीब एक किमी दूर स्थित एक ढाणी में 25-30 स्कार्पियो गाड़ियों का काफिला पहुंचा। गांव दीनगढ़ तिराहे, ढाबां चौकी और मालारामपुरा चौकी और चौटाला-संगरिया मार्ग और सीमाओं पर भी हथियारों से लैस पुलिस आने-जाने वालों की जांच कर रहे हैं। पुलिस थाना संगरिया में हनुमानगढ़ एसपी सुधीर चौधरी और संगरिया डीएसपी जस्साराम बोस भी मौजूद थे। हनुमानगढ़ एसपी सुधीर चौधरी ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए जानकारी देने से इंकार कर दिया।

सूत्रों के अनुसार संगरिया पुलिस ने संदेह के आधार पर संतपुरा की रोही 2 एएमपी की ढाणी निवासी हरदीप सिंह पुत्र छिंदा सिंह को शांतिभग के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस बीच विभिन्न जांच एजेंसियों का संगरिया थाना में जमावड़ा रहा।

शाम को संगरिया पुलिस ने हरदीप सिंह को एसडीएम के समक्ष पेश किया। उसे पाबंद कर छोड़ दिया गया। लेकिन यहां से उसे पंजाब में किसी मामले में अमृतसर पुलिस राउंडअप कर साथ ले गई।

राजस्थान सीमा के गांव संतपुरा की रोही में छिपे होने की आशंका पर सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार-गुरूवार रात को छापा मारा। हालांकि मौके से अमृतपाल को पकड़ने की पुष्टि नहीं हो पाई। पंजाब पुलिस युवक 2 एएमपी की ढाणी निवासी हरदीप सिंह पुत्र छिंदा सिंह को राउंडअप साथ ले गई। सूत्रों का कहना है कि इस युवक के साथ अमृतपाल की फोटो वायरल हुई। अमृतपाल के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले में

क्या केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गोवा पुलिस से भी सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए सम्मन मिला है, जिसके लिए उन्हें 27 अप्रैल को सार्वजनिक पूछताछ के लिए उपस्थित होना है।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सी.बी.आई. को केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार सिर से पैर तक भ्रष्टाचार में डूबी है। उन्होंने प्रधानमंत्री को सम्बोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल जी को 16 अप्रैल को गिरफ्तार करने और जेल भेजने के लिए आप ने जो साजिश रची है उससे उनकी आवाज़ दबाई नहीं जा सकती है।

आप को चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिए जाने के कुछ दिन बाद ही सी.बी.आई. ने सम्मन भेजा है। कुछ दिन पहले ही दिल्ली विधानसभा केजरीवाल ने अनायास ही उद्योगपति गौतम अडानी के साथ प्रधानमंत्री मोदी की सांठ गांठ पर सवाल उठाए थे। संजय सिंह ने कहा "मैंने तब ही केजरीवाल से कहा था कि सी.बी.आई. में अगला नम्बर आप का होगा।"

कश्मीर में बैसाखी उत्सव के दौरान फुटब्रिज टूटकर गिरा, 62 घायल

घायलों में 25 लोगों की हालत गम्भीर, ब्रिज टूटने का कारण ओवरलोडिंग बताया जा रहा है

श्रीनगर, 14 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को एक फुटब्रिज गिरने से कई बच्चों सहित कम से कम 60 से 62 लोगों घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि, उधमपुर के गांव में बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा था। इस मौके पर कई श्रद्धालु यहां इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ।

उधमपुर की डी.एम. ने कहा कि हादसे में 62 लोग घायल हुए हैं, जबकि 25 को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। ब्रिज गिरने के बाद आधे घंटे में इलाके से निकासी की गई। वहीं गंभीर हालत में 5 घायलों को जम्मू रेफर किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रेस्क्यू ऑपरेशन में महिलाओं और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

गौरतलब है कि हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में भगदड़ देखी जा सकती है। इस हादसे में 20 से 25 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि, यह घटना बैसाखी समारोह के दौरान चेनानी प्रखंड के बैन गांव के बेनी संगम में हुई। यहां पर एक फुट ब्रिज बनाया गया था। इस पर सिर्फ 20 लोगों के चलने की क्षमता है। शुक्रवार को इस फुट ओवर ब्रिज को क्षमता से अधिक भीड़ होने के कारण यह हादसा हुआ। भीड़ अधिक होने के कारण 150 लोग इस ब्रिज पर चढ़ गए थे। भार ज्यादा होने की वजह से यह पुल टूट गया।

संभागीय आयुक्त (जम्मू) रमेश कुमार ने कहा कि, पुल ओवरलोडिंग के कारण ढह गया क्योंकि बड़ी संख्या में लोग उस पर जमा हो गए थे। बैसाखी के चलते स्थानीय लोग और श्रद्धालु यहां पर त्योहार मनाने आए थे। ब्रिज टूटने की वजह से यहां अफरा-तफरी मच गई। भारी संख्या में लोग यहां पर इकट्ठा थे। हादसे में बच्चें और महिलाओं समेत 80 से 85 लोगों के घायल होने की सूचना है। चेनानी नगर पालिका के अध्यक्ष माणिक गुप्ता ने बताया कि इस हादसे में 80-85 लोगों को चोटें आई हैं। 20-25 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

- गौरतलब है कि हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में भगदड़ देखी जा सकती है।

कांग्रेस बढ़त की स्थिति ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए अपना फॉर्मूला आजमाया। विडम्बना ये है कि गुजरात व अन्य कहीं अच्छा लाभ दे चुका यह फॉर्मूला आज भाजपा की परेशानी का सबब बना हुआ है क्योंकि दो नेता एक कड़े विद्रोह पर उतर आए हैं, जिन्हें टिकट नहीं दिया गया है। पर असंतोष कई क्षेत्रों और सीटों पर भाजपा को पराजय दिलवा सकता है और खासकर ऐसी 30 विषम सीटों पर, जहां वर्ष 2018 के चुनावों में जीत का अंतर बहुत ही कम रहा था। 3

राज्य को लेकर अधिकांश चुनाव विशेषज्ञ दो बातों पर तो बिल्कुल सहमत हैं। पहली तो यह कि कांग्रेस बढ़त लेती हुई प्रतीत होती है, और दूसरी यह कि भाजपा कठिन स्थिति में है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्री विद्रोह पर उतर आए हैं और उनका भाजपा की संभावनाओं को कम करना तय है, लेकिन दिल्ली में बैठा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व डैमेज कंट्रोल मोड में है और उम्मीद है कि वो समय रहते विद्रोह को शांत कर देगा।

लेकिन जहाँ तक बात कर्नाटक में भाजपा की मजबूती की है तो यहाँ उसकी स्थिति अनुशासन एवं मजबूती के मामले में यू.पी. जैसी नहीं है, जहाँ के नेताओं को पैंतरेबाजी के लिए काफी छूट दी जाती है। इसके अलावा कई नेता अन्य पार्टियों से भाजपा में आए हैं, उनके ऐसे अनुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती जैसी कि आर.एस.एस. पृष्ठभूमि से आए भाजपा के नियमित नेताओं से की जाती है।

लेकिन भाजपा के नीतिकार बागियों या असंतुष्टों से होने वाली परेशानियों को किसी भी गिनती में नहीं रख रहे है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी और जनता से उनका जुड़ाव इतना सशक्त है कि हरेक नकारात्मक प्रभाव को नष्ट कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी 10 मई को होने वाले कर्नाटक चुनावों तक कई बार कर्नाटक का दौरा करेंगे और निश्चित रूप से उसका प्रभाव पड़ेगा। लेकिन चुनावी इतिहास बताता है कि राज्य की जनता ने कभी भी सरकार की वापसी नहीं की है। और प्राय: कर्नाटक की जनता खंडित जनादेश भी देती रही है। और सबसे बड़ी बात तीन प्रमुख दावेदार हैं भाजपा, कांग्रेस और जद (एस) टिकट वितरण और चुनाव प्रसार में कांग्रेस व जद (एस) ने बाजी मार ली है।

भाजपा को अंतर्कलह को रोकने और टिकट वितरण करने में परेशानी हो रही है। बगावत ने भी परेशानी और बढ़ा दी है, भाजपा को नकारात्मक अवधारण और बोम्मई सरकार की "40 प्रतिशत कमीशन" सरकार की छवि की समस्या से भी जूझना होगा।

कांग्रेस के लिए यह करो या मरो की लड़ाई है। यहाँ की जीत से मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनावों के लिए पार्टी का मनोबल बढ़ेगा।

'पायलट 17 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बड़े संकेत दे रहा है कि अब हवा किस तरफ बह रही है।

कमलनाथ, सोनिया तथा राहुल गांधी के जाँचे-परखे तथा विश्वसनीय व्यक्ति हैं। ऐसी आशा की जाती है कि जिस तरफ सोनिया और राहुल गांधी का झुकाव होगा, कमलनाथ उसी के समर्थन की बात करेंगे।

और यह सर्वविदित है कि गांधी परिवार अशोक गहलोत से परेशान एवं नाराज़ है। गांधी परिवार से मिलने का समय लेने की उनकी तमाम कोशिशों को "प्रवेश नहीं" का साइन बोर्ड ही दिखाई दिया है।

अगले चन्द दिनों में यह सामने आ जायेगा कि कमलनाथ कांग्रेस में शांति का माहौल बनाने के लिये क्या प्रस्ताव लेकर आते हैं। लेकिन उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि अशोक गहलोत नहीं चाहते कि सचिन पायलट के समक्ष पी.सी.सी. की अध्यक्षता प्रस्तावित हो तथा चाहते है कि वे पूरी तरह दिल्ली भेज दिये जायें।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में गैंग वॉर, लॉरैंस विश्नोई के साथी की मौत

तिहाड़ जेल में चाकुओं से खूंखार गैंगस्टर प्रिंस तेवतिया की हत्या कर दी गई

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तिहाड़ जेल में फिर गैंगवॉर की घटना सामने आई है। इस गैंगवॉर में एक खूंखार गैंगस्टर प्रिंस तेवतिया की हत्या कर दी गई है। 30 वर्षीय गैंगस्टर प्रिंस तेवतिया लॉरैंस बिश्नोई गैंग का प्रमुख सदस्य था। घटना देर शाम की है। तिहाड़ की जेल नंबर तीन में प्रिंस तेवतिया को चाकू मारकर मौत के घाट उतार दिया गया है। चाकूबाजी की इस घटना में दो-तीन अन्य कैदी घायल हैं। गैंगवॉर की इस वारदात से तिहाड़ जेल की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। ध्यान रहे कि इस जेल में दिल्ली के दो पूर्व मंत्रियों समेत कई हाई प्रोफाल कैदी हैं। गैंगवॉर में मारे गए प्रिंस तेवतिया पर दर्जनभर से ज्यादा मामले दर्ज थे। जेल नंबर तीन में किसी बात पर बहस शुरू हुई और चाकूबाजी होने लगी। प्रिंस तेवतिया पर दनादन 7 से 8 बार चाकू मारा गया। जिसमें वह बुरी तरह जख्मी हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में घायल अन्य कैदियों को डी.डी.यू. अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि तीन कैदी अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें एक की हालत नाजुक है। पुलिस ने बताया कि शाम 5.10 बजे तिहाड़ के जेल नंबर तीन में गैंगवॉर की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों से पूछताछ की और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

- इस गैंग वॉर के दौरान तीन अन्य कैदी भी गम्भीर रूप से घायल हुये हैं।
- दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में ही बंद हैं। ऐसे में तिहाड़ में गैंग वॉर की घटना काफी चिंताजनक है।

भाजपा ने "डी.एम.के. फाइल्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नामलाई ने कहा कि इस पार्टी के नेताओं के पास 1.34 लाख करोड़ रु. की अकूत दौलत है उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 में चेन्नई के लिए एक कम्पनी को कांट्रैक्ट देने के एवज में खुद मुख्यमंत्री ने कथित रुप से 200 करोड़ रु. की रिश्वत ली थी।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि भुगतान शैल कम्पनियों के जरिए किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका में रिश्वत के मामले में कम्पनी की जांच की गई थी।" उनके अनुसार डी.एम.के. फाइल्स द्रमुक के बड़े लोगों जैसे एम.के. स्टालिन के बेटे और स्पोर्टस मंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य मंत्रियों दुरै मुरुगन, ई.वी. वेलु, के. पोन्मुडी, वी. सेंथिल बालाजी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री एस. जगतरक्षकन के बारे में जानकारी दी गई है। द्रमुक ने इस पर जवाबी प्रहार किया और कहा कि अन्नामलाई द्वारा लगाए गए इन आरोपो पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। द्रमुक सांसद आर.एम. भारती ने इन आरोपो को "जोक" (चुटकुला) बताया और कहा पर यह जरा भी "फनी" नहीं था।

कर्नाटक में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (के.पी.सी.सी.) अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार ने उन्हें पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल करते हुए कहा कि सवाडी भाजपा में अपमानित होने के बाद कांग्रेस में आए हैं।

डी.के. शिव कुमार ने मीडियाकर्मियों के कई प्रश्नों पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि "इसमें कोई शर्त शामिल नहीं है। यदि उन्हें लगता है कि उन्हें अपमानित किया गया है तो ऐसे महान नेताओं को कांग्रेस पार्टी में शामिल करना हमारा फ़र्ज है। ऐसे 9-10 निवर्तमान विधायक और हैं जो हमारी पार्टी में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन उन सब के समायोजन के लिए पार्टी में स्पेस नहीं है।"

अपनी पार्टी भाजपा में ही टिकट दिए जाने के उपयुक्त ना समझे गए इस सीनियर नेता ने कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल होने से पहले, पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया के आवास पर शिव कुमार और कर्नाटक के प्रभारी ए.आई.सी.सी. महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ दो घंटे तक विचार-विमर्श किया। दिन की शुरुआत में वह एक एयरक्राफ्ट में बैठकर बेलगाम से बैंगलुरू आए। यह एयरक्राफ्ट शिव कुमार के नाम से बुक था। सूत्रो ने यह भी संकेत दिया कि स्थानीय भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कोई भी कठोर कदम ना उठाने के लिए सवाडी से सम्पर्क किया, लेकिन बताया जाता है कि उन्होंने भाजपा नेताओं के फोन नहीं उठाए।

सवाडी ने कांग्रेस में शामिल होने से पूर्व अपने शक्ति प्रदर्शन के रूप में अर्थानी में एक महारैली का आयोजन किया। वे अर्थानी से ही भाजपा टिकट की मांग कर रहे थे। कांग्रेस ने घोषणा की है कि सवाडडी अर्थानी से ही उसके उम्मीदवार होंगे।

'मोदी को भ्रष्टाचार से बहुत घृणा नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नई सरकार क्यों नहीं बनाने दी, जबकि उन्होंने 87 सदस्यीय विधानसभा में 56 सदस्यों के बहुमत का दावा किया था। उन्होंने बताया कि नवम्बर 2018 में, उन्होंने (मलिक) विधानसभा भंग करना बेहतर समझा। एक अन्य बिन्दु पर उन्होंने कहा कि नैशनल कॉन्फ्रैंस सहित जिन पार्टियों के समर्थन का महबूबा मुफ्ती दावा कर रही थीं, वे पार्टियाँ उनसे (मलिक) विधानसभा भंग कर देने के लिये कह रही थीं क्योंकि उन्हें विधायकों की खरीद-फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) का डर था। मलिक ने विस्तार सहित बताया कि जब वे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे, उस समय किस तरह से भाजपा-आर.एस.एस. नेता राम माधव ने एक जल विद्युत योजना तथा रिलायंस इन्शोरैंस स्कीम की स्वीकृति के लिये उनसे सम्पर्क किया था। लेकिन उन्होंने यह कहते हुये इनकार कर दिया था कि "मैं गलत काम नहीं करूँगा।" राम माधव इस संबंध में अपनी तरफ से कोशिश करने तथा उनका विचार बदलवाने के उद्देश्य से प्रात:7 बजे उनके पास आये थे। मलिक नेक हा कि उस समय लोग तब उनसे कह रहे थे कि इन दोनों स्कीमों की मंजूरी देने के लिये, उन्हें 300 करोड़ रू. मिल सकते थे।

मलिक ने कहा कि प्रधानमंत्री को कश्मीर के बारे में "कोई जानकारी नहीं" है, और जो है वह "गलत" है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा समाप्त किया जाना गलत था तथा उसका "स्टेट हुड" तुरंत बहाल किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री "मस्त हैं अपने में"-जो हो सो होता रहे।"

मोदी के बारे में बोलते हुये, मलिक ने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार से कतई चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अगस्त 2020 में गोवा के राज्यपाल पद से हटाकर, मेघालय भेज दिया गया था, क्योंकि भ्रष्टाचार के अनेक प्रकरणों की जानकारी उन्होंने प्रधानमंत्री को दी थी तथा सरकार ने उनसे निबटने के बजाय, उनकी उपेक्षा कर देना उचित समझा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इर्द-गिर्द रहने वाले लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं तथा इसके लिये वे प्राय: पी.एम.ओ. के नाम का उपयोग करते हैं। मलिक ने यह सब मोदी की जानकारी में ला दिया था, किन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि प्रधानमंत्री को इसकी परवाह ही नहीं है। इसी सिलसिले में उन्होंने कहा कि "मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूँ" कि प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार से "बहुत नफरत नहीं है।"

मलिक ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनसे मिलने के लिये दी गई स्वीकृतियों का पुनरीक्षण पी.एम.ओ. द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक बार जब वे राज्यपाल थे, उन्हें राष्ट्रपति ने मिलने का समय दे दिया था, लेकिन अंतिम क्षणों में उनसे होने वाली मेरी भेंट (अपॉइन्टमैंट) रद्द कर दी गई, जबकि उस समय वे राष्ट्रपति भवन के रास्ते में ही थे।

पूर्व राज्यपाल ने प्रधानमंत्री पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा कि उन्होंने बी.बी.सी. प्रकरण में जो कुछ किया, वह एक "भयंकर गलती" थी तथा उनका निर्णय विदेशों में भारत की छवि को बहुत मंहगा पड़ेगा।

प्रधानमंत्री तथा अनेक मंत्रीगण मुस्लिमों के साथ जो व्यवहार कर रहे हैं, उस व्यवहार की जबरदस्त आलोचना करते हुये, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के धीर-गंभीर राजनेता मलिक ने प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों पर कड़े प्रहार किये।

मलिक ने साफ-साफ कहा कि अडानी घोटाले के कारण, प्रधानमंत्री की छवि को घोर नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा जोरदार तरीके से उठाया गया यह मुद्दा गांवों तक पहुंच गया है तथा अगर विपक्ष ने भाजपा के खिलाफ अपना ही उम्मीदवार खड़ा किया तो यह मुद्दा अगले आम चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी को जबरदस्त नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने लोकसभा से राहुल गांधी को डिस्क्वालिफाई किये जाने पर भी प्रतिकूल टिप्पणी की।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600